

B.A. 5th Semester (General) Examination, 2019 (CBCS)**Subject : Sanskrit****Paper : GE-I****Time: 3 Hours****Full Marks: 60***The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.***Instruction**

নির্দেশাবলী

প্রশ্নপত্রের স্মিন্ **Group-A** and **Group-B** ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। প্রথমত: পরীক্ষার্থীভি: সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগো নিশ্চেতব্য:। ততশ্চ যথানির্দেশং প্রশ্না: সমাধাতব্য:।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-A**Indian Social Institution and Polity**

1. अधोलिखितेषु दश प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव चयनीयम्। तत्र 'क' विभागतः प्रश्नत्रयम्, 'ख' विभागतः प्रश्नत्रयम् अवश्यमेव चयनीयम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। যার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে। এখানে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি ও 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি প্রশ্নের উত্তর নিয়ে সর্বমোট দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

‘ক’-বিভাগ

‘ক’-বিভাগ

- (a) ‘मनुसंहिता’ कीदृशं शास्त्रम्? ग्रन्थस्यास्य प्रसिद्धटीकाकारद्वयस्य नाम लिख्यताम्।

‘मनुसंहिता’ কোন শ্রেণীর শাস্ত্র? এই গ্রন্থের দুজন প্রসিদ্ধ টীকাকারের নাম লেখো।

- (b) मनुसंहितायां कति अध्यायाः सन्ति? तेषु सप्तमाध्यायस्य नाम किम्?

মনুসংহিতায় কটি অধ্যায় আছে? তাদের মধ্যে সপ্তমাধ্যায়ের নাম কী?

- (c) ‘सर्वतेजोमयो हि सः’ - इत्यत्र ‘सः’ कः? कथं ‘सः’ सर्वतेजोमय इत्युच्यते?

‘सर्वतेजोमयो हि सः’ - এখানে ‘সঃ’ কে? ‘সঃ’ কেন সর্বতেজোময়রূপে উক্ত হয়?

(2)

- (d) নৃপস্য ক্রোধঃ কথং অগ্নেরপি ভয়ঙ্করঃ?
রাজার ক্রোধকে অগ্নি অপেক্ষা ভয়ঙ্কর বলা হয় কেন?
- (e) দণ্ডঃ কেন কথং সৃষ্টঃ?
দণ্ড কার দ্বারা এবং কেন সৃষ্টি হয়েছে?
- (f) ইশ্বরঃ কেন উপাদানেন নৃপং সৃষ্টবান্?
ঈশ্বর কোন উপাদানের দ্বারা রাজাকে সৃষ্টি করেন?
- (g) উপায়চতুষ্টয়েষু কৌ উপায়ৌ কথং প্রশংসনীয়ৌ?
চারটি উপায়ের মধ্যে কোন দুটি উপায় কেন প্রশংসনীয়?
- (h) 'তদা সন্ধিং সমাপ্রয়েত্' - ইত্যত্র কঃ কদা সন্ধিং সমাপ্রয়েত্?
'তদা সন্ধিং সমাপ্রয়েত্' - এখানে কে কখন সন্ধিকে আশ্রয় করবেন?

'খ'-বিভাগ

'খ'-বিভাগ

- (a) কৌটিলীয়ার্থশাস্ত্রে কতি অধিকরণানি সন্তি? তেষু প্রথমাধিকরণস্য নাম কিম্?
কৌটিল্যের অর্থশাস্ত্রের কতগুলি অধিকরণ আছে? ঐ অধিকরণগুলির মধ্যে প্রথমাধিকরণের নাম কী?
- (b) দূতঃ কতিবিধঃ ভবতি? দূতপ্রকারস্য নাম লিখ্যতাং।
দূত কত প্রকারের হয়? দূতের প্রকারগুলির নাম লেখো।
- (c) পররাজ্যে দূতঃ কৈশ্চ প্রতिसंसर्गं गच्छेत्?
শত্রুরাজ্যে দূত কাদের সঙ্গে বন্ধুত্বস্থাপন করবেন?
- (d) तापसवैदेहकव्यञ्जनाभ्यां दूतः किम् अवगम्येत?
তাপস ও বৈদেহক বংশধারী গুপ্তচরের নিকট থেকে দূত কী অবগত হবেন?
- (e) अधोलिखितपदद्वयस्य अर्थः उल्लेखनीयः
उपजापः, अनीकस्थानम्
निम्नलिखित दुटि पदोंर अर्थ लेखो -
उपजापः, अनीकस्थानम्
- (f) 'तं ब्रूयात् - दूतमुखा वै राजानः, ' इत्यत्र कः कं ब्रूयात्?
'तं ब्रूयात् - दूतमुखा वै राजानः, ' एখানে के बलबे? कके बलबे?

(3)

- (g) पराधिष्ठितस्य दूतस्य एकशयनस्य कारणं किम्?
 शक्रराजो अक्षिष्ठित दूतेर एकাকী शयनेर कारण की?

5×4=20

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुष्टयं समाधीयताम्। तेषु च द्वितयं सुरगिरा लिख्यताम्।
 निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

5

- (a) सरलसुरगिरा व्याख्यायताम्:

सरल संस्कृतभाषाय वाख्या करो :
 बालोऽपि नावमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः।
 महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति॥

Or,

यथोद्धरति निर्दाता कक्षं धान्यञ्च रक्षति।
 तथा रक्षेन्नृपो राष्ट्रं हन्याच्च परिपन्थिनः॥

- (b) संक्षिप्ता टीका कार्या:

2½×2=5

সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো :
 साम, यानम्

- (c) मातृभाषया अनुवादो विधेयः :

5

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :
 तपत्यादित्यवच्चैष चक्षुषि च मनांसि च।
 न चैनं भुवि शक्नोति कश्चिदव्यभिवीक्षितुम्॥

- (d) संक्षिप्ता टीका कार्या:

2½×2=5

সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো :
 पार्श्विग्राहः, कृत्यपक्षः

- (e) मातृभाषायामनुवाद विधेयः :

5

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :
 पराधिष्ठानमनुज्ञातः प्रविशेत्। शासनं च यथोक्तं ब्रूयात् प्राणाबाधेऽपि दृष्टे। परस्य वाचि वक्त्रे दृष्ट्यां च प्रसादं
 वाक्यपूजनमिष्टपरिप्रशं गुणकथासङ्गमासन्नमासनं सत्कारमिष्टेषु स्मरणं विश्वासगमनं च लक्षयेत्तुष्टस्य,
 विपरीतमतुष्टस्य।

(f) उपायचतुष्टयं किम्? राष्ट्राभिवृद्धये कथं वा एतेषां प्रयोगः करणीयः राज्ञा?

1+4=5

उपायचतुष्टय की? राष्ट्र के उन्नति के लिये कौन राजा এই उपाय चारটির प्रयोग करবেন?

3. अधोনিर्दिष्टात् विभागद्वयात् एकैकमेव प्रश्नमाकलय प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्।

10×2=20

নিম্নলিখিত দুটি বিভাগ থেকে একটি প্রশ্ন নিয়ে মোট দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

‘ক’-বিভাগ

‘ক’-বিভাগ

(a) মনুসংহিতায়া: সপ্তমাধ্যায়ানুসারেণ রাজ: দৈবী উৎপত্তি: ইতি বিষয়মবলম্ব্য এক: নিবন্ধ: রচনীয়:। 10

মনুসংহিতার সপ্তম অধ্যায় অনুসরণে রাজার দৈবী উৎপত্তি বিষয়ে নিবন্ধ রচনা করো।

(b) ‘ষাড্গুণ্যং’ কিম্? কদা কথং বা রাজা এতেষাং প্রয়োগং কুর্যাত্ তত্ মনুমতানুসারমালোচ্যতাং। 2+8=10

‘ষাড্গুণ্যং’ কী? রাজা কখন এবং কেন এই গুণগুলির প্রয়োগ করবেন তা মনুমতের অনুসরণে আলোচনা করো।

‘খ’-বিভাগ

‘খ’-বিভাগ

(a) অর্থশাস্ত্রানুসারং দূতস্য ব্যবহারকার্যক্রমৌ বৈশদ্যেন আলোচ্যতাং। 10

অর্থশাস্ত্র অনুসারে দূতের ব্যবহার ও কার্যক্রম সবিস্তারে আলোচনা করো।

(b) (i) ‘কার্যস্য সিদ্ধাবুপরুধ্যমানস্তর্কযেত্’ - অর্থশাস্ত্রানুসারং বাক্যাংশোঃমালোচ্যতাং।

‘কার্যস্য সিদ্ধাবুপরুধ্যমানস্তর্কযেত্’ - অর্থশাস্ত্রের অনুসরণে বাক্যাংশটি আলোচনা করো।

(ii) ‘পরস্যৈতদ্বাক্যমেণ দূতধর্ম:’ - ব্যাখ্যায়তাং।

5+5=10

‘পরস্যৈতদ্বাক্যমেণ দূতধর্ম:’ - ব্যাখ্যা করো।

Group-B

Political Thought in Sanskrit

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र प्रतिविभागात् प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव चयनीयम्। तेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं संस्कृत भाषया अवश्यमेव लेखनीयम्।

2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্ততঃ দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে। যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

‘ক’-বিভাগ

‘ক’-বিভাগ

(a) অর্থশাস্ত্রস্য কস্যাশ্চন একস্যা: টীকায়া: নাম লিখ্যতাং। কো বা অস্যা: টীকায়া: প্রণেতা?

অর্থশাস্ত্রের যে কোনো একটি টীকার নাম লেখো। এই টীকাটির প্রণেতা কে?

(5)

- (b) অর্থশাস্ত্রানুসারে মন্ত্রীদেহ: কীদূশ: ভবেত?
- অর্থশাস্ত্রানুসারে মন্ত্রণার স্থান কীরূপ হওয়া উচিত?
- (c) রাজা কদা কার্যারম্ভান্ চিন্তয়েত?
- রাজা কখন কার্যের আরম্ভ বিবেচনা করবেন?
- (d) 'তস্মাদিমং দ্ব্যশ্বং সহস্রাশ্বমাहु:' - व्याख्यायताम्।
- 'তস্মাদিমং দ্ব্যশ্বং সহস্রাশ্বমাहु:' - ব্যাখ্যা করো।
- (e) কৌটিল্যানুসারে রাজা কতি মন্ত্রিभि: सह मन्त्रयेत?
- কৌটিল্যের মতানুসারে রাজার কতজন মন্ত্রীর সাথে মন্ত্রণা করা উচিত?
- (f) मन्त्रभेदस्य परिणाम: कः?
- মন্ত্রণা প্রকাশের পরিণাম কী?
- (g) किं नाम आत्ययिकं कार्यम्?
- 'আত্যয়িকং কার্যম্' বলতে কী বোঝায়?
- (h) इङ्गिताकारयो: संज्ञा प्रदेया।
- ইঙ্গিত ও আকারের সংজ্ঞা প্রদান করো।

'ख'-विभाग

'ख'-विभाग

- (a) 'शासनाधिकार:' इति पाठ्यांश: अर्थशास्त्रस्य कस्य अधिकरणस्य कस्मिन् अध्याये वर्तते?
- 'शासनाधिकार:' এই পাঠ্যংশটি অর্থশাস্ত্রের কোন অধিকরণের কোন অধ্যায়ে বর্তমান?
- (b) किं नाम शासनम्?
- শাসন বলতে কী বোঝায়?
- (c) साम कतिप्रकारकम्? प्रकाराणां च नामानि लेख्यानि।
- সাম কত প্রকার? প্রকারগুলির নাম লেখো।
- (d) को नाम सम्बन्धः?
- সম্বন্ধ কাকে বলে?
- (e) षाड्गुण्येषु कौ शासनमूलकौ?
- ষাড়গুণ্যের মধ্যে কোন দুটি শাসনমূলক?

(f) अर्थशास्त्रानुसारं पदानि कति प्रकाराणि? कानि च तानि?
অর্থশাস্ত্রানুসারে পদ কত প্রকার এবং কী কী?

(g) को नाम भेदः?
ভেদ কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुष्टयं समाधीयताम्। तेषु च द्वितयं सुरगिरा लिख्यताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) संक्षिप्ता टीका कार्या : 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো :

मन्त्रिपरिषत्, मन्त्रभेदः

(b) मातृभाषया अनुवादो विधेयः : 2½×2=5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :

नास्य गुह्यं परे विद्युः छिद्रं विद्यात् परस्य च।

गुहेत् कूर्म इवाङ्गानि यत्स्याद्विवृतमात्मनः॥

यथा द्यश्चोत्रियः श्राद्धं न सतां भोक्तुमर्हति।

एवमश्रुतशास्त्रार्थो न मन्त्रं श्रोतुमर्हति॥

(c) संक्षिप्त टीका लेखनीया : 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো :

दण्डः, लेखदोषाः

(d) मातृभाषायामनुवाद : 5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :

जातिं कुलं स्थानवयःश्रुतानि

कर्मर्द्धशीलान्यथ देशकालौ।

यौनानुबन्धं च समीक्ष्य कार्ये

लेखं विदध्यात् पुरुषानुरूपम्॥

(e) अर्थशास्त्रानुसारं पञ्चाङ्गो मन्त्रः वर्णनीयः।

অর্থশাস্ত্রানুসারে পঞ্চাঙ্গ মন্ত্র বর্ণনা করো।

(f) शासनलेखकस्य के गुणाः आवश्यकाः?

শাসনলেখকের কোন গুণগুলি থাকা আবশ্যিক?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं द्वितयं समाधीयताम् :

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- (a) पूर्वसूरीणां मतानि खण्डयित्वा मन्त्रणाविषये कौटिल्येन कथं स्वमतं प्रतिष्ठितम्?
কৌটিল্য কীভাবে পূর্বসূরীদের মত খণ্ডন করে মন্ত্রণা সম্পর্কিত বিষয়ে তাঁর নিজস্ব প্রতিষ্ঠিত করেছেন?
- (b) शासनस्य प्रकाराः आलोचनीयाः।
শাসন বা রাজলেখ কত প্রকারের হয় তা আলোচনা করো।
- (c) 'एतेष्वर्थाः प्रवर्तन्ते त्रयोदशसु लेखजाः' - अर्थशास्त्रानुसारं वाक्यांशोऽयं व्याख्यायताम्।
'एतेष्वर्थाः प्रवर्तन्ते त्रयोदशसु लेखजाः' - अर्थशास्त्रानुसारे वाक्यांशः व्याख्या करो।
- (d) शासनस्य गुणाः आलोच्यन्ताम्।
শাসন বা রাজলেখের গুণগুলি আলোচনা করো।